International Journal of Humanities and Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 30-08-2025, Accepted: 29-09-2025, Published: 14-10-2025
Volume 11, Issue 5, 2025, Page No. 151-152

शोध अनुसंधान और शब्दावली मे परिर्वतन

डॉ.गीतांजलि बौहरे, डॉ.मनीषा पाठक
सहायक प्राध्यापक, माधव शिक्षा महाविद्यलय, ग्वालियर, मध्यप्रदेश, भारत

सारांश
शिक्षा– अनुसंधान अंथवा शैक्षिक अनुसन्धान शब्द हमें पृथक–पृथक अवश्य प्रतीत होते हैं, परन्तु शिक्षा तथा अनुसंधान दोनों पृथक–पृथक होते हुए भी निश्चय ही एक–दूसरे के पूरक हैं। इन दोनों शब्दों का परस्पर सामजस्य तथा इतिहास उतना प्राचीन है। जितना कि मानव का इतिहास। वर्तमान समय में हम अपने चारों ओर सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, ऐतिहासिक तथा वैज्ञानिक प्रगति देख रहें हैं। यह सभी अनुसंधानों का ही तो परिणाम है।

मूलशब्द: शोध अनुसंधान, वैज्ञानिक संप्रदाय, वैश्वीकरण, भाषाई अध्ययन

अनुसंधान शब्दावली में परिर्वतनः
अनुसंधान एक गतिशील प्रक्रिया है जो निरंतर विकसित होती रहती है। इस प्रक्रिया में शब्दावली का परिवर्तन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योकि नए खोजों तकनीकी विकास और ज्ञान के प्रसार के साथ–साथ अनुसंधान में प्रयुक्त और उनके अर्थ भी बदलते रहते हैं। हम अनुसंधान में शब्दावली के परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं की चर्चा करेगें।
जब भी अनुसंधान के नए क्षेत्र विकसित होते हैं तो नई शब्दावली का निर्माण होता है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में "बिग डेटा, मशीन लर्निंग" और "आटिफिशियल इंटेलिजेंस" जैसे शब्दों का प्रचलन हाल के वर्षो में हुआ है। शब्द पहले मौजूद नहीं थे लेकिन प्रोधोगिकी और डेटा ऐनालिटिक्स के क्षेत्र में हुए विकास के कारण इनका तेजी से विस्तार हुआ है।

शोध अनुसंधान में परिर्वतनः
तकनीकी विकासः अनुसंधान के तरीके और उपकरण समय के साथ बदलते हैं। उदाहरण के लिए,पहले जहां शोध के लिए अधिक समय और मैनुअल प्रक्रियाओं की जरूरत होती थी, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निग जैसी तकनीकों ने शोध प्रक्रियाओं को तेज और सटीक बना दिया है।

नए सिद्वांत और मॉडलः जैसे–जैसे नए सिद्वांत और अवधारणाएं विकसित होती हैं, शोध की दिशा बदलती है। एक नया सिद्वांत, पुराने सिद्वांतों को चुनौती दे सकता है और नए शोध के रास्ते खोल सकता है

अंतर–विषयक शोधः आजकल के शोध अक्सर एक से अधिक विषयों को जोड़कर किए जाते हैं,जिन्हें

अंतर–विषयक अनुसंधानः कहा जाता है। इससे नई अंतर्दृष्यिाँ मिलती हैं और विभिन्न विषयों के बीच विचारों का समावेश होता है।

शब्दावली में परिर्वतन
समाज और संस्कृतिः भाषा और शब्दावली समाज और संस्कृति के अनुसार बदलती रहती हैं। जैसे–जैसे समाज बदलता है,नए शब्द बनते हैं और पुराने शब्दों का प्रयोग कम हो जाता है।

विज्ञान और प्रोद्योगिकीः नए आविष्कारों और खोजों के साथ नई शब्दावली का विकास होता है। जैसे इंटरनेट,क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे शब्द कुछ दशक पहल अस्तित्व में नहीं थे।

वैज्ञानिक संप्रदाय की सहमतिः जब शोधकर्ता किसी नए विषय पर काम करते हैं, तो वे एक आम सहमति पर पहुंचते हैं कि उस विषय से संबंधित शब्दों का प्रयोग किस प्रकार किया जाएगा। समय के साथ,यह सहमति भी बदल सकती है जब नई जानकारी उपलब्ध हो

परिवर्तन के कारण
नवाचार और आविष्कारः जैसे–जैसे नई खोजें होती हैं, शब्दावली और अनुसंधान के क्षेत्र में बदलाव आते हैं। नए शब्दों का विकास होता है और शोध की नई दिशा मिलती है।

वैश्वीकरणः विभिन्न देशों और भाषाओं के बीच विचारों का आदन–प्रदान होने से शब्दावली में बदलाव आते हैं। एक ही शब्द का अलग–अलग भाषाओं और संस्कृतियों में अलग–अलग अर्थ हो सकता है,जो शब्दावली में विविधता का कारण बनता है।

भाषाई अध्ययनः समय–समय पर भाषाविद् और शोधकर्ता नए शब्दों को परिभाषित करते हैं, पुराने शब्दों को पुनःपरिभाषित करते है और कुछ शब्दों को छोड देते हैं।
शोध और शब्दावली में यह परिवर्तन अनिवार्य है और यह विज्ञान,समाज और संस्कृति के विकास को दर्शाता है।

पुराने शब्दों के अर्थ में बदलावः अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में, समय के साथ पुराने शब्दों के अर्थ बदल जाते हैं। उदाहरण के लिए,पहले "क्वांटम" शब्द को केवल भौतिकी के संदर्भ में प्रयोग किया जाता था,लेकिन अब यह कंप्यूटर विज्ञान और अन्य वैज्ञानिक क्षेत्रों में भी प्रयुक्त होता है। इस प्रकार शब्दों का परिप्रेक्ष्य और उनके अर्थ बदलते हैं।
शब्दावली में परिवर्तन केवल वैज्ञानिक प्रगति का परिणाम नहीं होता,बल्कि यह समाज और संस्कृति से भी प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए,चिकित्सा अनुसंधान में "अक्षम" ;कपेंइसमकद्ध शब्द की जगह अब "विशेष रूप से सक्षम" ;कपर्मितमदजपल. इसमकद्ध जैसे अधिक सकारात्मक और समावेषी शब्दों का उपयोग किया जाने लगा है। यह बदलाव सामाजिक जागरूकता संवेदनषीलता का प्रतीक है।
अनुसंधान एक वैश्विक गतिविधि है,और इसमें विभिन्न भाषाओं का योगदान होता है। शब्दों का अनुवाद और उनके सांस्कृतिक

संदर्भ के अनुसार सहायक होता है। किसी विशेष शब्द का एक भाषा में विशेष अर्थ हो सकता है, लेकिन जब उसे दूसरी भाषा में अनुवाद किया जाता है,तो उसका अर्थ और प्रयोग बदल सकता है।

डिजिटल युग में अनुसंधान के उपकरणों में भी परिवर्तन आया है, जिससे शब्दावली पर भी प्रभाव पड़ा है। सॉफ्टवेयर और डेटा प्रबंधन उपकरणों के बढ़ते उपयोग के साथ तकनीकी शब्दावली का विकास हुआ है। उदाहरण के लिए, "डेटा माइनिंग,"क्लाउड कम्प्यूटिंग," और "ब्लॉकचेन" जैसे शब्द अनुसंधान शब्दावली का हिस्सा बन गए हैं।

अंतर– विषयक अनुसंधान (Interdisciplinary Research) के उद्भव के साथ भी शब्दावली में बदलाव आया है। जब दो या अधिक अनुसंधान एक साथ मिलकर अनुसंधान करते हैं, तो वे अपनी–अपनी शब्दावली को साझा करते हैं, जिससे नई शब्दावली का विकास होता है,उदाहरण के लिए,"न्यूरोइमेजिंग" जैसे शब्द जैविक और तकनीकी अनुसंधान के संयोग का परिणाम हैं।

अनुसंधान के प्रारंभिक चरणों में जटिल और तकनीकी शब्दावली का उपयोग होता है,लेकिन जैसे–जैसे समय बीता है और विषय का व्यापक प्रसार होता है, शब्दावली और समझने योग्य बनाया जाता है। उदाहरण के लिए, अनुसंधान के प्रारंभिक चरणों में जटिल और तकनीकी शब्दावली का उपयोग होता है, लेकिन जैसे–जैसे समय बीतता है और विषय का व्यापक प्रसार होता है, शब्दों को सरल और समझने योग्य बनाया जाता है। उदाहरण के लिए,

"डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड" (DNA) जैसे शब्द को साधारण भाषा में "डीएनए" के रूप में परिवर्तित किया गया है।

निष्कष

अनुसंधान में शब्दावली का परिवर्तन एक स्वाभाविक और आवश्यक प्रक्रिया है। यह परिवर्तन वैज्ञानिक विकास, तकनीकी प्रगति, और समाजिक चेतना के साथ–साथ भाषा और संस्कृति से भी प्रभावित होता है। शब्दावली का यह विकास अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों को और अधिक समृद्ध और व्यापक बनाता है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :

1. मंगल, डॉ. अंशु – शैक्षिक अनुसंधान की विधियॉ समंक विश्लेषण (राधा प्रकाषन)
2. शर्मा डॉ. अनिल कुमार – शोध और नवाचार
3. झा, डॉ. हरिमोहन – भाषा विज्ञान और शब्दावली परिवर्तन